आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :336 पृष्ठ -4 दिनांक 09 दिसम्बर 2024 दिन सोमवार

यूपी में 27 हजार पदों पर शिक्षक भर्ती का रास्ता साफ

बेसिक शिक्षा की 68,500 पदों की सहायक शिक्षक भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ के आदेश

उत्तर प्रदेश में शिक्षक भर्ती में रिक्त रह गई 27 हजार से अधिक सीटों पर रास्ता साफ हो गया है. बेसिक शिक्षा की 68,500 पदों की सहायक शिक्षक भर्ती में इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊखंडपीठ के आदेश को सुप्रीम कोर्ट ने यथावत रखा है. इस मामले में हाई कोर्ट ने आद. श दिया था कि रिक्त सीटों पर राज्य सरकार भर्ती करे.दरअसल, कुछ अभ्यर्थी इस मामले में कटऑफ अंक कम करके रिक्त पदों पर चयन किए जाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए हुए थे. लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने उनकी याचिका खारिज कर दी है. अब याचिका खारिज होने के बाद बेसिक शिक्षा विभाग को भर्ती प्रक्रिया को आगे हाई कोर्ट के आदेश के अनुसार बढ़ेगी.ये है पूरा मामला साल 2017 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के विद्यालयों में सहायक अध्यापक पद पर

समायोजित किए गए शिक्षामित्रों का समायोजन रद कर दिया था. कोर्ट के इस फैसले के बाद करीब 1.37 लाख शिक्षकों के पद रिक्त हो गए थे. इसके बाद यूपी सरकार ने दो चरणों में बहाली निकाली थी.एक चरण में 68,500 और 69 हजार पदों पर शिक्षकों की भर्ती निकाली गई थी. इसके बाद इसकी परीक्षा कराई गई थी. इसका रिजल्ट घोषित किया गया तो अनारक्षित वर्ग के लिए 45 फीसदी, जबकि ओबीसी और अन्य वर्ग का कटऑफ 40 फीसदी निर्धारित किया गया था. लेकिन योग्य अभ्यर्थी न मिलने से 27 हजार से ज्यादा पद रिक्त रह गए थे. क्या था हाईकोर्ट का आदेश कुछ अभ्यर्थियों ने भर्ती परीक्षा में कापी बदले जाने का आरोप लगा करकटऑफ कम करने की मांग की थी. इसके लिए इलाहाबाद हाई कोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में याचिका दाखिल की गई थी. हाईकोर्ट ने तब इस मामले में सीबीआई जांच के आदेश दिए थे. तब सरकार इस मामले में डबल बेंच में गई थी.तब डबल बेंच ने आदेश दिया था कि सरकार रिक्त पदों पर भर्ती करे. लेकिन कटऑफ अंक कम करके नियुक्ति दिए जाने की मांग को लेकर सुप्रीम कोर्ट गए अभ्यर्थियों की याचिका वहां से भी खारिज हो गई.

संभल पुलिस ने लोगों को भड़काने और पैसे वसूलने के आरोप में कथित पत्रकार गिरफ्तार

संभल हिंसा मामले में एक औरगिरफ्तारी हुई है, पुलिस ने इस मामले में एक कथित पत्रकार को गिरफ्तार किया है. आरोपी खुद को एक दैनिक अखबार का पत्रकार बता कर संभल हिंसा के मृतकों के नाम पर फत कोड से पैसा मांगने काम कर रहा था जिसे पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. कथित पत्रकार पर धन उगाहने और पुलिस के खिलाफ लोगों को उकसाने का भी आरोप है. संभल में 24 नवंबर को शाही जामा मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी. हिंसा में जनहानी भी हुई थी. पुलिस के मुताबिक यह कथित फर्जी पत्रकार फत कोड के जरिये लोगो से चंदा मांग रहा था और लोगो के भड़काने का काम कर रहा था. अब इसके बैक खाते की भी जांच की जायेगी. इस इस संबंध में संभल पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई ने जानक. ारी देते हुए बताया कि, कल शाम संभल थाना कोतवाली के सब इंस्पेक्टर संजीव को सूचना मिली कि नसीम जइबी है और वह फत कोड बनाकर लोगों को उकसा रहा है और धन उगाही का काम कर रहा है. सभी को पुलिस के खिलाफ उकसा रहा है. पूछताछ में आरोपी ने खुद बताया पत्रकार पूछताछ में आरोपी ने खुद को एक दैनिक अखबार का पत्रकार बताया, जब युवक के दावे की पुलिस ने जांच की तो उसका दावा फर्जी पाया गया. कोतवाली पुलिस ने इस मामले में आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज किया गया है. साथ ही आरोपी को जेल भेजने की कार्रवाई की जा रही है. पुलिस आरोपी के बैंक अकाउंट की जांच कर रही है. साथ ही मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है. इधर, संभल में एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के निर्देश पर पुलिस ने पैदल मार्च किया. इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों और व्यक्तियों की चेकिंग की.

शराब के नशे में फूफा ने दो वर्षीय बच्ची से किया दुष्कर्म

उत्तरप्रदेश बुलंदशहर के जहांगीरपुर थाना क्षेत्र के गांव में शनिवार शाम को सगे फूफा ने दो वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया। इसके बाद आरोपी गांव के बाहर शराब पीने चला गया और वापस नहीं लौटा। वहीं पीड़ित परिवार ने घटना की जानक. ारी पुलिस को दी। पुलिस ने सीसीटीवी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी और देर रात को मुठभेड़ में उसको गिरफ्तार कर लिया।जहांगीरपुर थाना क्षेत्र के गांव निवासी मजदूर ने बताया कि मूल रूप से पलवल निवासी उसका बहनोई कल्लू कभी–कभी उनके घर पर रहने आ जाता था। बहन से बहनोई का काफी समय से विवाद चल रहा है। शनिवार दोपहर को बहनोई घर पर आया था और शराब के नशे में सबसे झगड़ने लगा। उन्होंने उसको घर से बाहर जाने के लिए बोल दिया। तभी वह घर के बाहर खेल रही पीड़ित की दो वर्षीय से बेटी को अपने साथ बाइक पर घुमाने के लिए ले गया। घर के लोगों को इसकी कोई जानकारी नहीं मिल पाई। कुछ देर बाद बच्ची को घर के बाहर से गायब देखा तो परिवार के लोगों ने तलाश शुरू कर दी। शाम करीब पांच बजे खेत पर पशु चराने के लिए ले गए पालकों ने जानकारी दी कि एक बच्ची ईख के खेत में बेसुध अवस्था में मिली। पीड़ित परिवार बच्ची को घर लेकर आ गए, तब बच्ची ने रोते हुए आपबीती बताई, लेकिन वह आरोपी की पहचान नहीं बता सकी। इसके बाद परिवार ने पुलिस को सूचना दी। सीओ खुर्जा विकास प्रताप सिंह ने बताया कि पीड़ित परिवार की तहरीर पर बच्ची का मेडिकल कराया गया। इसके बाद गांव केसीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। इसमें देखा गया बच्ची का फूफा उसको खेत की ओर लेकर जा रहा है और वहां से केवल अकेला आ रहा है। इसी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी। शनिवार देर रात को पुलिस टीम पारौरी नहर पर चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार एक संदिग्ध को आते देखा। आरोपी को रोकने का इशारा किया तो वह भागने लगा और उसकी बाइक अनियंत्रित होकर गिर गई। पुलिस से घिरता देख आरोपी ने तमंचे से फायरिंग शुरू कर दी। वहीं बचाव के लिए पुलिस ने जवाबी फायरिंग की, इसमें आरोपी घायल हो गया। आरोपी की पहचान कल्लू निवासी पलवल हरियाणा के रूप में हुई है। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

यूपी में आज से छाएगा कोहरा, इन जिलों में बारिश की चेतावनी

उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदलने वाला है। उत्तर–पश्चिमी भारत की ओर बढ़ रहे एक पश्चिमी विक्षोभ के असर से रविवार और सोमवार को तराई व पूर्वी उत्तर प्रदेश में बूंदाबांदी संग हल्की बा. रिश के आसार हैं। इसके साथ ही दिन के पारे में 2 डिग्री तक की गिरावट से ठंड में इजाफा होगा। शनिवार को प्रदेश के ज्यादातर हिस्सों में सुबह–शाम की हवा में सिहरन महसूस की गई। धूप की तपिश भी गायब दिखी।आंचलिक मौसम विज्ञान केंद्र लखनऊ के वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह का कहना है इस बदलाव के असर से तात्कालिक रूप से रात के पारे में अगले दो से तीन दिन में 2 से 3 डिग्री तक के उछाल की संभावना है। मंगलवार से पश्चिमी विक्षोभ के गुजर जाने के बाद फिर से न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री की गिरावट आएगी। इसके असर से बुधवार के बाद तराई और पूर्वांचल में घना कोहरा देखने को मिलेगा।शनिवार को प्रयागराज में सर्वाधिक 29.7 डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रहा। वहीं उरई में 29 डिग्री और वाराणसी में अधिकतम 28 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा। न्यूनतम तापमान की बात करें तो मेरठ में सबसे कम 6.3 डिग्री, बरेली में 6.4 डिग्री और अयोध्या में 6.5 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

संगम की रेती पर तीन घंटे रहेंगेप्रधानमंत्री मोदी , गंगा पूजन कर महाकुंभ की करेंगे शुरूआत

पीएम मोदी 13 दिसंबर को प्रयागराज पहुंच रहे हैं। वह महाकुंभ का शुभारंभ करने के साथ ही हजारों करोड़ की सैकड़ों परियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। मुख्यमंत्री ने अफसरों संग बैठक में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विस. तार से चर्चा की। साथ ही पूरे आयोजन का खाका खींचा। इसके अनुसार प्रधानमंत्री विशेष विमान से करीब 11 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से हेलिकॉप्टर से अरैल आएंगे।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी प्रयागराज में करीब तीन घंटे तक रहेंगे। इस दौरान वह गंगा पूजन कर महाकुंभ की शुरुआत करेंगे। साथ ही सात हजार करोड़ रुपये से अधिक की करीब 700 परियोजनाओं का लोक. ार्पण भी करेंगे। शनिवार को प्रयागराज आए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महाकुंभ एवं प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा की तथा जरूरी निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अफसरों संग बैठक में प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को लेकर विस्तार से चर्चा की। साथ ही पूरे आयोजन का खाका खींचा। इसके अनुसार प्रधानमंत्री विशेष विमान से करीब 11 बजे बमरौली एयरपोर्ट पर उतरेंगे। वहां से हेलिकॉप्टर से अरैल आएंगे। अरैल से निषादराज क्रूज पर सवार हो किला घाट आएंगे। फिर संगम पहुंचकर गंगा पूजन करेंगे। प्रधानमंत्री इस मौके पर संतों संग वार्ता भी करेंगे।प्रधानमंत्री अक्षयवट, पातालपुरी एवं हनुमान मंदिर में दर्शन पूजन करेंगे। साथ ही कॉरिडोर का लोकार्पण करेंगे। उनका भरद्वाज आश्रम जाने का कार्यक्रम भी प्रस्तावित है। हालांकि, इसके लिए अभी पीएमओ से स्वीकृति मिलनी बाकी है। इसके बाद प्रधानमंत्री संगम नोज पर तैयार हो रहे पंडाल में सभा को संबोधित करेंगे।सात सौ निर्माण परियोजनाओं का करेंगे लोकार्पण

इससे पहले वह 7000 करोड़ रुपये की करीब 700 निर्माण परियोजनाओं का लो. कार्पण करेंगे। इनमें से 3800 करोड़ रुपये की 400 से अधिक परियोजना महाकुंभ की हैं। इनके अलावा रेलवे, एनएचएआई समेत अन्य केंद्रीय विभागों की परियोजनाएं हैं। प्रधानमंत्री इस मौके पर वर्चुअल माध्यम से शृंगेरपुर में बने निषादराज पार्क समेत अन्यपरियोजनाओं का लोकार्पण करेंगे। साथ ही शृंगेरपुर में प्रस्तावित गंगा रिवर फ्रंट एवं संग्रहालय का शिलान्यास भी करेंगे।27 नवंबर को प्रयागराज आए मुख्यमंत्री की ओर से पूर्व में 6500 करोड़ रुपये की परियोजनाओं के लोकार्पण की घोषणा की गई थी। हालांकि, अब इनमें कई अन्य निर्माण भी शामिल हो गए हैं। मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने बताया कि लोकार्पण वाली परियोजनाओं की विभागवार सूची तैयार की जा रही। अभी इनकी संख्या और बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री के हाथों पांच करोड़ रुपये या इससे अधिक लागत वाली स्थायी निर्माण परियोजनाओं का लोकार्पण किया जाएगा।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अफसरों संग बैठक में महाकुंभ के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने पूरे हो चुके कार्यों पर संतोष जताया। साथ ही सभी कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसी क्रम में मुख्यमंत्री ने अन्य परियोजनाओं को भी 10 दिसंबर तक पूरा कर लेने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने मेले की बसावट, संगम पर सर्कुलेटिंग एरिया बढ़ाने के लिए ड्रेजिंग आदि कार्यों में अपेक्षित तेजी लाने की बात कही। इसके लिए उन्होंने जरूरी संसाधन एवं श्रमिकों की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने डिजिटल महाकुंभ की बात भी कही।शृंगेरपुर धाम नहीं जाएंगे प्रधानमंत्री लेकिन निषादराज की रहेगी चर्चा प्रधानमंत्री शृंगेरपुर धाम तो नहीं जाएंगे लेकिन निषादराज की चर्चा हर जगह रहेगी। प्रधानमंत्री ऑनलाइन माध्यम से निषादराज पार्क, भगवान राम एवं निषादराज की गले मिलते प्रतिमा एवं घाट का भी लोकार्पण करेंगे। इसी के साथ वहां प्रस्तावित गंगा रिवर फ्रंट एवं संग्रहालय का शिलान्यास भी करेंगे। इन पर करीब 350 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इन परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए प्रधानमंत्री को शृंगेरपुर जाने का कार्यक्रम प्रस्तावित था लेकिन मुख्यमंत्री की बैठक में स्पष्ट किया गया कि प्रधानमंत्री शृंगेरपुर नहीं जाएंगे। हालांकि, वर्चुअल लोकार्पण के दौरान संबंधित विभाग के अफसर तथा अन्य लोग शृंगेरपुर में मौजूद रहेंगे।गंगा पूजन से पहले संतों संग वार्ता करेंगे प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री संगम नोज पर गंगा पूजन से पहले संतों से वार्ता करेंगे। वार्ता में अखाड़ों, खाक चौक, दंडीबाड़ा, आचार्यबाड़ा संग अन्य संस्थाओं के संत शामिल रहेंगे। मुख्यमंत्री ने इसकी जानकारी देने के साथ संतों का भी आह्वान किया। इसके लिए मेला प्रशासन की ओर से संतों को आमंत्रण भी भेजा जाएगा। मुख्यमंत्री ने संतों को प्रधानमंत्री की सभा के लिए आमंत्रित किया।रसूलाबाद नहीं अब लिखा जाए चंद्रशेखर आजाद घाटनैनी में फीकल स्लज ट्रीटमेंट प्लांट के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने नालों की टैपिंग, एसटीपी के निर्माण, नालों एवं सीवर लाइन के गंदे पानी के शोधन आदि के बारे में भी जानकारी ली। इस दौरान जल निगम के अफसरों ने रसूलाबाद एसटीपी की भी फाइल दिखाई। इससे पहले समीक्षा बैठक में महापौर गणेश केसरवानी की ओर से मुख्यमंत्री को जानकारी दी गई थी कि उनके निर्देश पर रसूलाबाद घाट का नामकरण चंद्रशेखर आजाद के नाम पर हो गया। ऐसे में मुख्यमंत्री फाइल में भी रसूलाबाद की जगह चंद्रशेखर आजाद घाट लिए जाने का निर्देश दिया।सीएम ने दिए संकेत...महाकुंभ के दौरान भी आएंगे पीएमगंगापूजन करके महाकुंभ की शुरुआत ही प्रधानमंत्री नहीं करेंगे, वह महाकुंभ के दौरान भी आएंगे। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों, जनप्रतिनिधियों और भाजपा पदाधिकारियों के साथ बैठक के दौरान इसके संकेत दिए। कहा, पीएम स्वच्छ. ताकर्मियों और महाकुंभ के आयोजन में लगे श्रमिकों को सम्मानित कर फिर बड़ा संदेश दे सकते हैं।

सीएम योगी के सामने संतों ने की महाकुंभ के इंतजामों की जमकर तारीफ

महाकुंभ की तैयारियों को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को जहां एक तरफ प्रयागराज पहुंचकर अधिकारियों के साथ समीक्षा की तो वहीं दूसरी तरफ महाकुंभ क्षेत्र में संत महात्माओं के साथ भी लंबी बैठक की. सीएम योगी ने इस बैठक में संत महात्माओं से महाकुंभ के आयोजन को दिव्य और भव्य बनाने में सहयोग देने की अपील की. उन्होंने कहा कि संत महात्माओं के आशीर्वाद से ही आस्था के इस सबसे बड़े मेले को दुनिया भर में अलग पहचान मिल सकेगी. सीएम योगी ने इस मौके पर बैठक में मौजूद संत महात्माओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 13 दिसंबर को महाकुंभ क्षेत्र में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होने का औपचारिक तौर पर न्यौता भी दिया. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के आशीर्वाद से ही महाकुंभ का स्वरूप इतना दिव्य और भव्य हो रहा है. पीएम मोदी के कार्यक्रम में संत महात्मा शामिल होकर आशीर्वाद देंगे तो महाकुंभ का आयोजन 2019 के कुंभ से भी और बेहतर होगा, साथ ही आस्था का यह मेला बिना किसी बाधा के निर्विघ्न तौर पर संपन्न हो सकेगा.बेहतर काम किया– संत मुख्यमंत्री के साथ हुई बैठक में मौजूद संत महात्माओं ने महाकुंभ को लेकर यूपी सरकार द्वारा की जा रही तैयारियों की जमकर तारीफ की. संत महात्माओं ने कहा कि हिंदू हृदय सम्राट योगी आदित्यनाथ की सरकार से उन्हें जो अपेक्षाएं थीं, उससे भी बेहतर काम किया जा रहा है. बैठक के बाद संतों ने बताया कि सीएम योगी ने उन्हें इस बात का भरोसा दिलाया है कि उन्हें बेहतर से बेहतर सुविधाएं मुहैया कराई जाएगी. संतों की जो भी अपेक्षाएं हैं वह सभी पूरी की जाएगी.

सीरिया में अल असद परिवार के 50 साल का शासन खत्म

सीरिया में विद्रोहियों ने तख्तालट कर दिया है. विद्रोही समूह ने राजधानी दमिश्क पर कब्जा कर लिया है. विद्रोहियों की घेराबंदी के बाद राष्ट्रपति बशर अल–असद देश छोड़कर भाग गए हैं. असद पिछले 24 सालों से यहां की सत्ता में बने हुए थे. विद्रोहियों का कहना है कि उन्होंने 50 साल के उत्पीड़न और 13 सालों के अत्याचार और अपराध का अंत किया. विद्रोही अभी सीरिया के अलग–अलग जगहों पर फायरिंग कर अपनी जीत का जश्न मना रहे हैं.नई सरकार किसके नेतृत्व में बनेगीरॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल–असद एक विमान प्र–76ज में सवार होकर दमिश्क से किसी अज्ञात स्थान के लिए रवाना हो गए हैं. दमिश्क से निकलने के बाद उनका विमान रडार से गायब हो गया. उनके देश छोड़ने के बाद विद्रोहियों ने तख्तापलट का ऐलान किया. विद्रोही गुट ने कहा कि सत्ता हस्तांतरण तक पीएम जलाली काम देखेंगे. पीएम गाजी अल–जलाली ने सीरियाई लोगों से सार्वजनिक संपत्तियों को नुकसान न पहुंचाने की अपील की. कौन–कौन देश असद को शरण दे सकते हैंविद्रोही गुट ने अलेप्पो, हामा, होम्स, दारा, दमिश्क पर कब्जा करने का दावा किया, जिसपर सिरियाई सेना ने मुहर लगा दी है. यह बताया जा रहा है कि असद सीरिया छोड़कर रूस या ईरान जा सकते हैं, हालांकि अभी तक इस बात की कोई पुष्टि नहीं हुई है. मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक विद्रोहियों ने घोषणा की थी कि असद भाग गए हैं और सीरिया में 8 दिसंबर 2024 से नए युग की शुरुआत हुई है.असद की हुकूमत को क्यों काला अध्याय बताया जा रहा?बशर अल–असद ने साल 2000 से सीरिया के राष्ट्रपति के तौर पर सत्ता संभाली हुई है. उन्होंने साल 200–2024 तक 24 सालों तक सीरिया में शासन में किया. इससे पहले उनके पिता हाफिज अल–असद ने 30 सालों तक सीरिया पर शासन किया था. असद के शासन में लाखों लोगों का कत्लेआम करवाया और लाखों लोगों को अपने घरों को छोड़कर भागने के लिए मजबूर किया.सत्ता बने रखने के लिए असद पर आरोप है कि उन्होंने छात्रों पर अंधाधुंध गोलियां चलवाई, टैंक उतारे और जुल्म की हर हद को पार किया. असद के परिवार ने सीरियाई जनता को लोकतंत्र से कोसों दूर रखा और हर उस नेता मरवा दिया, जिसने लोकतंत्र की मांग की.लोकतंत्र की मांग को लेकर 2011 में सीरियाई लोग सड़कों पर उतरे, तो अल–असद ने क्रूर तरीके से उस विद्रोह को दबाया. उन्होंने हर एक प्रदर्शनकारी को आतंकवादी कहा और प्रदर्शनकारियों पर तोप के गोलों से हमले करवाए, जिसकी वजह से सीरिया में गृहयुद्ध शुरू हो गया. असद ने अपने ही नागरिकों के खिलाफ रासायनिक हथियारों का इस्तेमाल करवाया. कैसे कमजोर पड़ गए बशर अल–असद बशर अल–असद अभी तक अपनी सत्ता बचाने में कामयाब रहे थे, क्योंकि उन्हें रूस, ईरान और लेबनानी हिज्बुल्लाह का साथ मिल रहे हैं. अभी तक ये देश हर तरह से असद की मदद कर रहे थे. अब ईरान उस स्थिति में नहीं है कि वह असद की मदद कर पाता, क्योंकि वह खुद इजरायल के साथ जंग के मुहाने पर है. पहले हिज्बुल्लाह भी बशर अल–असद को बचाने के लिए अपने लड़ाकों को भेजता था, लेकिन अब वह भी कमजोर हो चुका है. रूस तो बीते कुछ दिनों तक असद का साथ दिया और सीरिया में विद्रोही गुटों हवाई हमले किए, लेकिन यूक्रेन से युद्ध की वजह से वह भी पहले की तरह असद की मदद नहीं पाया.ईरान के लिए क्यों मुश्किल वक्त?मीडिल ईस्ट

में इजरायल से जारी तनातनी के बीच सीरिया में हुए तख्तालट ने ईरान की टेंशन बढ़ा दी है. ईरानी मीडिया के अनुसार सीरिया में हुए घटनाक्रम ने ईरान के क्षेत्रीय गठबंधनों को अस्थिर कर दिया है. इससे पहले ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा था कि सीरिया की घटना इस बात का सबूत है कि इजरायल और अमेरिका अरब देश को अस्थिर करना चाहता है. नॉर्थ ईस्ट में इजरायल के साथ जंग में हिजबुल्लाह और हमास का पहले ही काफ नुकसान हो चुका है. इन दोनों समूह के प्रमुख नेता भी मारे जा चुके हैं. वहीं सीरिया में राष्ट्रपति बशर अल–असद की सेना को विद्रोहियों से हार सामना करना पड़ा. ऐसे में इजरायल के खिलाफ ईरान हो गया है क्योंकि वह अपने क्षेत्रिय सहयोगियों के भरोसे थे.

कनाडा की संसद में खालिस्तानी सांसद की फजीहत,भारत विरोधी प्रस्ताव को हिंदू MP ने किया नाकाम

कनाडा के संसद में एक भारत विरोधी पेश किया गया, जिसे एक भारतीय–कनाडाई सांसद के विरोध के बाद खारिज कर दिया गया. दरअसल, कनाडा की संसद में 1984 के सिख विरोधी दंगों को 'नरसंहार' घोषित करने का प्रस्ताव लाया गया था. इस प्रस्ताव का भारतीय–कनाडाई सांसद चंद्र आर्य ने कड़ा विरोध किया, जिसके बाद इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया. कनाडा के हिंदू सांसद चंद्र आर्य ने दावा किया कि उन्हें इस प्रस्ताव का विरोध करने के लिए धमकियां भी दी गईं. आर्य ने आरोप लगाते हुए कहा कि संसद में पेश हुआ यह प्रस्ताव राजनीतिक रूप से शक्तिशाली खालिस्तानी लॉबी से प्रस्ता. वित था. आर्य ने कनाडाई हिंदू लोगों से अपील करते हुए कहा कि खालिस्तानी लॉबी दोबारा ऐसे प्रस्ताव को पारित कराने की कोशिश कर सकती है, हिंदू कनाडाई लोगों से अनुरोध है कि वे अपने स्थानीय सांसदों से संपर्क करें और उनसे भविष्य में ऐसे प्रस्तावों का विरोध करने की मांग करें.एनडीपी के सांसद ने पेश किया था भारत विरोधी प्रस्ताइस भारत विरोधी प्रस्ताव को न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (छक्ट) के सांसद सुख धालीवाल ने विदेशी मामलों और अंत. रराष्ट्रीय विकास पर कनाडा के संसद के हाउस ऑफ कॉमंस की स्थायी समिति के सामने पेश किया था. कनाडा के हाउस ऑफ कॉमंस में चंद्र आर्य इकलौते सांसद थे, जिन्होंने इस प्रस्ताव के खिलाफ आवाज उठाई थी और इसे पारित होने से रोका.सांसद चंद्र आर्य ने क्या कहा?सांसद चंद्र आर्य ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, 'आज सरे–न्यूटन के सांसद ने सिखों के खिलाफ भारत में 1984 के सिख विरोधी दंगों को नरसंहार घोषित करने का प्रयास किया. उन्होंने अपने प्रस्ताव को पारित करने के लिए हाउस ऑफ कॉमंस के सभी सांसदों से सर्वसम्मति से सहमति मांगी.' उन्होंने आगे कहा, 'मैं सदन का इकलौता सदस्य था, जिसने इस प्रस्ताव के विरोध में 'न' कहा और मेरी एक आपत्ति इस प्रस्ताव को स्वीकार होने से रोकने के लिए पर्याप्त थी.'प्रस्ताव के विरोध के बाद मिली धमकीसांसद चंद्र आर्य ने कहा, 'संसद भवन के अंदर इस प्रस्ताव को न कहने के लिए तुरंत बाद उन्हें धमकाया गया.' उन्होंने कहा कि आज वे इस विभाजनकारी एजेंडे को रो. कने में सफल हो गए, लेकिन अगली बार शायद इतने भाग्यशाली नहीं हो सकते. संसद भवन में खालिस्तानी लॉबी के सदस्य इसे लेकर फिर से दवाब बनाने का प्रयास जरूर करेंगे. उन्होंने कहा कि इस बात की कोई गारंटी नहीं है अगली बार जब किसी पार्टी का कोई सांसद इस प्रस्ताव को पेश करेगा, तो मैं इसे रोकने के लिए सदन में उपस्थित रहूं.

महबूबा मुफ्ती की बेटी की तुरंत हो गिरफ्तारी, हिंदुत्व .पर इल्तिजा के दिए किस बयान पर भड़के राजा सिंह

पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने हिंदुत्व की जिक्र करते हुए सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट शेयर किया, जिसे लेकर अब देश में राजनीति गरमा गई है. उन्होंने यह टिप्पणी एक्स पर एक यूजर का वीडियो शेयर करते हुए किया. इल्तिजा ने मुफ्ती ने हिंदुत्व को एक बीमारी बताया, जिसके बाद बीजेपी विधायक टी राजा सिंह भड़क गए. उन्होंने कहा कि महबूबा मुफ्ती की बेटी का बयान गलत है.टी राजा सिंह ने की गिरफ्तारी की मांग. उन्होंने कहा, ष्अगर हम उनके धर्म पर बयान दें तो उनको कैसा लगेगा. ये बयान हिंदुओं की भावना के खिलाफ हैं. जम्मू कश्मीर के सीएम को उनके इस बयान पर संज्ञान लेना चाहिए और उनको तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए. कोई कहीं पर किसी को चप्पल से मार रहा है, उसके लिए इल्तिजा मुफ्ती भग. वानों पर कमेंट करती हैं. कश्मीर में कैसे लोगों को धर्म के नाम पर काटा गया. वहां कैसे कश्मीरी पंडितों को मारा गया. ष्इल्तिजा मुफ्ती का भड़काऊ बयानशिरीन खान नाम के एक यूजर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला था, जिसमें कुछ लड़कों को पीटा जा रहा है और उससे जबरदस्ती जय श्रीराम के नारे लगवाए जा रहे हैं. इस वीडियो को लेकर इल्तिजा मुफ्ती ने कहा, ष्भगवान राम भी यह सब देखकर बेबसी और शर्म से सिर झुका लेंगे कि उनके नाम का इस्तेमाल करके नाबालिग मुस्लिम बच्चों को सिर्फ इसलिए चप्पलों से मारा जा रहा है क्योंकि उन्होंने राम का नाम लेने से इनकार कर दिया. हिंदुत्व एक बीमारी है, जिसने लाखों भारतीयों को प्रभावित किया है. वायरल हो रहा वीडियो रतलाम का बताया जा रहा है.इल्तिजा मुफ्ती जम्मू–कश्मीर विधानसभा चुनाव में दो सीटों पर चुनाव लड़ी थीं और उन्हें दोनों ही सीटों पर हार का सामना करना पड़ा था. इस मामले पर जब विवाद बढ़ा तो इल्तिजा मुफ्ती ने सफाई देते हुए कहा कि उन्हें गुस्सा आ गया था क्योंकि उस वीडियो में मासूम बच्चों को पीटा जा रहा था. उन्होंने कहा कि पिछले 10 सालों में मुस्लिमों के खिलाफ काफी हिंसा हुई है.

आंध्र प्रदेश के पलनाडु में भीषण सड़क हादसा, चार की मौत और कई घायल

आंध्र प्रदेश के पलनाडु जिले में भीषण सड़क हादसा हुआ है। इस हादसे में 4 लोगों की मौत हो गई है। वहीं 4 अन्य लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि कुछ लोग अपनी नई कार की पूजा करने के लिए तेलंगाना के कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर से वापस लौट रहे थे।राज्य के पलनाडु जिले में एक भीषण सड़क हादसा हुआ है। हादसे में चार लोगों की मौत हुई है और चार अन्य घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि ये सड़क दुर्घटना शनिवार को अडांकी–नरकटपल्ली राजमार्ग पर हुई।हादसे में चार लोगों की गई जानजानकारी के अनुसार कुछ लोग अपनी नई कार की पूजा करने के लिए तेलंगाना के कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर गए। यहां से लौटते समय तेज रफ्तार के कारण कार अनियंत्रित होकर पलट गई। पूरी घटना में 4 लोगों की जान गई है। वहीं, अन्य 4 घायल हैं।जांच में जुटी पुलिसघटना की जानकारी होते ही पुलिस मौके पर पहुंची। सभी घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बारे में पुलिस के अधिकारियों ने जानकारी दी। इस घटना पर पिदुगुरल्ला ग्रामीण थाने के उप निरीक्षक मोहन ने बताया, ष दुर्घटना उस समय हुई जब समूह कोंडागट्टू अंजनेयस्वामी मंदिर में पूजा करने के बाद अपने पैतृक गांव सिरीपुरम लौट रहा था।ष्उन्होंने कहा कि घायलों की हालत गंभीर है और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच में दुर्घटना का कारण तेज गति से वाहन चलाना बताया गया है। आगे की जानकारी का इंतजार है।

आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को मिली बड़ी राहत

गुजरात के पोरबंदर की एक अदालत ने 1997 के हिरासत में यातना मामले में पूर्व आईपीएस अधिकारी संजीव भट्ट को बरी कर दिया. कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष के पास इस मामले को साबित करने के लिए कोई भी सबूत नहीं है. अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट मुकेश पंड्या ने शनिवार को पोरबंदर के तत्कालीन पुलिस अधीक्षक (एसपी) संजीव भट्ट को उनके खिलाफ स्वीकारोक्ति प्राप्त करने के लिए गंभीर चोट पहुंचाने और अन्य प्रावधानों से संबंधित आईपीसी की धाराओं के तहत दर्ज मामले में सबूतों के अभाव में संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया।राजक. ोट सेंट्रल जेल में बंद हैं संजीव भट्टसंजीव भट्ट को इससे पहले जामनगर में 1990 में हिरासत में हुई मौत के मामले में आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और 1996 में पालनपुर में राजस्थान के एक वकील को फंसाने के लिए ड्रग्स रखने के मामले में 20 साल की जेल की सजा सुनाई गई थी। वह फिलहाल राजकोट सेंट्रल जेल में बंद हैं।कोर्ट ने सुनवाई के दौरान कही ये बात अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष संदेह के अलावा मामले में भी कुछ भी साबित नहीं कर सका है. अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया था कि गुनाह कबूल कराने के लिए उसे जेल में बुरी से प्रताड़ित किया गया था. न्यायालय ने यह भी कहा कि आरोपी, जो उस समय एक लोक सेवक था और अपने कर्तव्य का निर्वहन कर रहा था. संजीव भट्ट पर लगे ये आरोप संजीव भट्ट पर यह आरोप नारन जादव नामक व्यक्ति की शिकायत पर लगाए गए थे. जादव 1994 के हथियार बरामदगी मामले में 22आरोपियों में से एक थे। अभियोजन पक्ष केअनुसार, पोर. बंदर पुलिस की एक टीम 5 जुलाई 1997 को जादव को अहमदाबाद के साबरमती सेंट्रल जेल से ट्रांसफर वारंट पर पोरबंदर स्थित भट्ट के आवास पर ले गई थी। जादव को उनके शरीर के विभिन्न हिस्सों, यहां तक कि उनके नजी अंगों पर भी बिजली के झटके दिए गए थे। साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने 31 दिसंबर 1998 को मामला दर्ज करने कहा था और समन जारी किया था। 15 अप्रैल 2013 को अदालत ने भट्ट और कांस्टेबल वजुभाई चौ के खिलाफ एफआ. ईआर दर्ज करने का आदेश दिया था.

गुजरात में अलाव ताप रही3 लड़कियों की मौत, जहरीली गैस से दम घुटने का शक

गुजरात के सूरत के औद्योगिक क्षेत्र में खुले मैदान में कूड़ा जलाकर अलाव तापने के दौरान तीन लड़कियों की मौत हो गई. आशंका है कि कूड़ा जलाने से जहरीला धुंआ निकला होगा जिससे उनकी जान चली गई. पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह घटना उस समय घटी जब पीड़िता दुर्गा महंतो (12), अमिता महंतो (14), और अनीता महंतो (8) शुक्रवार शाम को एक अन्य लड़की के साथ अलाव ताप रही थीं. पुलिस ने बताया कि यह सभी अलाव के चारो ओर घेरा बनाकर बैठी थीं.पुलिस अधिकारी ने कहा, ''हालांकि, मौत का सही कारण पा. `स्टमॉर्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के बाद पता चलेगा। प्रथम दृष्टया प्रतीत हो रहा है कि जहरीली गैस के कारण तीनों की मौत हुई है. सूरत सिविल अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. केतन नाइक ने बताया कि लड़कियों ने शायद कुछ जलाया होगा, जिससे जहरीला धुआं निकला और वे बेहोश हो गईं. उन्होंने बताया, ''पोस्टमार्टम और फा. `रेंसिक जांच के बाद चीजें स्पष्ट होंगी.

आज दिल्ली–एनसीआर में बारिश का अलर्ट, कब से बढ़ेगी ठंड?

उत्तर भारत और दिल्ली–एनसीआर में मौसम अपडेट पर, प्डक वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि पश्चिमी विक्षोभ मध्य पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों में बना हुआ है। आज और कल हिमालय में हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है। पंजाब, हरियाणा और दिल्ली में हल्की बारिश की संभावना है। 8 और 9 दिसंबर को पंजाब,हरियाणा, दिल्ली–एनसीआर में तापमान बढ़ सकता है। 9 दिसंबर के बाद तापमान में गिरावट आएगी और शीतलहर की स्थिति बन सकती है। शीतलहर पहले राजस्थान और फिर पंजाब और हरियाणा में दस्तक देगी।

सूरत में BJP की महिला नेता ने किया सुसाइड

गुजरात के सूरत में बीजेपी की महिला इकाई की नेता दीपिका पटेल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. सूरत के भीमराड इलाके में रविवार देर रात दीपिका का शव उसके कमरे में पंखे ले लटका मिला. पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है. पुलिस जांच के दौरान पता चला है कि दीपिका ने अपनी मौत से पहले एक बीजेपी पार्षद से 10 से 15 बार बात की थी.बीजेपी पार्षद से आखिरी बार हुई थी बात जिस समय दीपिका ने अपने बेडरूम में आत्महत्या की उस समय उनके बच्चे घर के हॉल में थे, जबकि उनके पति हरेश खेत में काम करने में व्यस्त थे. दीपिका के दोस्त और बीजेपी पार्षद चिराग सोलंकी, जिनकी आखिरी बार उनसे बात हुई थी. मौत के बाद वे उनके घर पहुंचे और बच्चों से दीपिका के बारे में पूछताछ की. इसके बाद सोलंकी ने दीपिका के बेडरूम का दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई. फिर बीजेपी पार्षद ने दरवाजा तोड़ दिया. दीपिका को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.मामले की सूचना मिलने पर पुलिस भी जांच के लिए अस्पताल और दीपिका के घर पहुंची, लेकिन उसे कोई सुसाइड नोट नहीं मिला. इसके बाद पुलिस ने दीपिका के दो मोबाइल फोन जब्त कर लिए, जिसमें कुछ तस्वीरें मिली है, लेकिन चौट को डिलीट कर दिया था. पुलिस ने डिलीट चौट को वापस लाने के लिए उसे फोरेंसिक लैब भेजा. पुलिस ने आकस्मिक मौत का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

दिल्ली सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के 6 लोग बुरी तरह घायल

नई दिल्लीरूबाहरी उत्तरी दिल्ली के नरेला इंडस्ट्रियल एरिया थाना के अंतर्गत सेक्टर ठ4 में सिलेंडर फटने से एक ही परिवार के 6 लोग बुरी तरीके से घायल हो गए। सबको नजदीकी अस्पताल में पहुंचाया गया है। फिलहाल मौके पर दिल्ली पुलिस और दमकल विभाग की टीम मौजूद है। आपदा प्रबंधन की टीम भी लगी हुई है।

मण्डलायुक्त ने महाकुम्भ-2025 को दुर्घटनामुक्त रखने के लिए यात्रियों एवं श्रद्धालुओं के लिए एडवाइजरी

आपात स्थिति में महाकुम्भ हेल्पलाइन 1920, पुलिस हेल्पलाइन 112 एवं आपदा हेल्पलाइन 1077 पर करें सम्पर्क

अलीगढ़ (जननायक सम्राट) आयुक्त, अलीगढ़ मण्डल, अलीगढ़ चौत्रा वी0 द्वारा महाकुम्भ–2025 को दुर्घटना मुक्त बनाये जाने के दृष्टिगत मण्डल के यात्रियों एवं कल्पवासियों के लिए स्वास्थ्य एवं यात्रा के संबंध मेंएडवाइजरी जारी की गई है। मण्डलायुक्त ने बताया कि महाकुम्भ–2025 का आयोजन 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 तक किया जाएगा। आयोजन अवधि में मेला परिक्षेत्र में भगदड़, अग्नि काण्ड, डूबना, स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्या सहित अन्य सम्भावित दुर्घटनाओं से महाकुम्भ को मुक्त रखने लिए सम्पूर्ण मेला परिक्षेत्र में प्रभावी आपदा प्रबन्धन का क्रियान्वयन सु. निश्चित किये जाने के लिए यात्रियों एवं कल्पवासियों को स्वास्थ्य एवं यात्रा के संबंध में जागरूक किया जाना है। आपात स्थिति में महाकुम्भ हेल्पलाइन 1920, पुलिस हेल्पलाइन 112 एवं आपदा हेल्पलाइन 1077 पर सम्पर्क करें।मण्डलायुक्त ने श्रद्धालुओं के लिए स्वास्थ्य संबंधी सामान्य दिशा–निर्देश देते हुए बताया कि महाकुम्भ–2025 का आयोजन 13 जनवरी 2025 से 26 फरवरी 2025 के मध्य प्रयागराज में किया जा रहा है। मेला क्षेत्र गंगा एवं यमुना नदी के किनारों पर लगभग 4200 हेक्टेयर के क्षेत्रफल में फैला हुआ है। मेला क्षेत्र में दिन के समय तापमान कभी–कभी 9 डिग्री एवं रात्रि में लगभग 02 डिग्री तक हो सकता है। दिन मेंधूप न होने पर घने कोहरे की स्थिति भी बन जाती है।प्रयागराज पहुँचने से पहलेरूमण्डलायुक्त ने बताया कि श्रद्धालु प्रयागराज पहुँचने से पहले ही श्श्महाकुम्भ मेला 2025श्श मोबाईल एप डाउनलोड कर मेला की जानकारी प्राप्त करें। यात्रा से पूर्व ही निवास स्थान सु. निश्चित करें। बदलते मौसम के अनुसार गर्म एवं ऊनी वस्त्र एवं खान–पान का सामान साथ रखें। मौसम की पूर्व जानकारी के लिए मौसम विभाग की वे. बसाइट देखें। आपदा की पूर्व चेतावनी के लिए सचेत मोबाइल एप डाउनलोड कर चेक करें। 60 वर्ष से अधिक आयु या पूर्व से बीमार व्यक्ति यात्रा से पहले स्वास्थ्य जांच अवश्य कराएं और चिकित्सक की सलाह के उपरान्त ही यात्रा करें। पूर्व से बीमार व्यक्ति अपने

चिकित्सक का परामर्श पर्चा एवं चि. कित्सक का संपर्क नम्बर एवं चिकित्सक द्वारा लिखी गयी दवाईयां अपने साथ रखें। हृदय रोग, श्वास रोग, मधुमेह, उच्च रक्तचाप से ग्रस्त रोगी यात्रा के समय विशेष सावधानी बरतें। आयुष्मान कार्ड धारक अपना आयुष्मान कार्ड साथ में रखें जिससे कि आकस्मिकता की स्थिति में सरकारी एवं निजी चिकि. त्सालय में मुफ्त ईलाज हो सकेमेला क्षेत्र में स्नान व दर्शन के समय मण्डलायुक्त ने मेला क्षेत्र में स्नान व दर्शन के समय बरती वाली सावधानियों के बारे में बताया संगम क्षेत्र पहुँचने के लिए पैदल भी चलना पड़ सकता है। इसीलिए शरीर में पानी का स्तर बनाये रखने के लिए पानी एवं ओआरएस का घोल पीते रहें। मेला क्षेत्र में अत्याधिक भीड़ की सम्भावना होने के दृष्टिगत गर्भवती महिलाएं विशेष सावधानी बरतें। बच्चों, वृद्धजनों एवं गभ. वती महिलाओं को अकेले स्नान ना करने दें। गहरे पानी में जाने से बचें। चप्पल–जूते का प्रयोग करें एवं कीचड़ वाले स्थान पर ना चलें। सिर दर्द होना, चक्कर आना, घबराहट होना, दिल की धड़कन तेज होना, उल्टी आना, हाथ–पांव व होठों का नीला पड़ना, थकान होना, सास फूलना, खॉसी होना अथवा अन्य लक्षण होने पर मेले में स्थापित निकटतम स्वास्थ्य केन्द्र से तत्काल संपर्क करें। मधुमेह, हृदय रोग, सांस रोग से ग्रसित श्रद्धालु अपनी दवा निरंतर समय से लें। खाने से पहले और शौचालय उपयोग के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोएं। प्रवास के दौरान खाद्य पदा. र्थों के प्रयोग में विशेष सावधानी बरतें और खुले व दूषित भोज्य पदार्थों के प्रयोग से बचें। धूम्रपान और नशीले पदा. र्थों का सेवन न करें। मेला क्षेत्र में मच्छ. रों से बचाव के लिए यद्यपि छिड़काव, धुंआ किया जाता है, फिर भी मच्छरों से बचने के लिए मच्छर रेपेलेन्ट भी साथ रखें।

कल्पवासियों के लिए एडवाइजरी

मण्डलायुक्त ने कल्पवासियों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया कि सरकारी नल, वाटर एटीएम के पानी का उपयोग करें एवं खाने पीने के लिए उबा. लने के बाद ही प्रयोग करें। सब्जी, फल इत्यादि को अच्छे से धो कर ही सेवन करें। खाने से पहले और शौचालय उपयोग के बाद साबुन से हाथ अवश्य धोएं। गरम कपड़े, कंबल, रजाई पर्याप्त मात्रा में रखें। धूम्रपान और नशीले पदा. र्थों का सेवन न करें। हीटर, अलाव, इत्यादि का प्रयोग टेंट के अंदर ना करें, इससे आग लगने का खतरा हो सकता है और हानिकारक गैसों के एकत्र होने से स्वास्थ्य के लिए प्रतिकूल परिस्थितिया उत्पन्न हो सकती है।

तहसीलों में लगेंगे विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

अलीगढ़ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव एवं अपर जिला जज नितिन श्रीवास्तव ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार जिले की सभी तहसीलों में विभिन्न तिथियों में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। विधिक साक्षरता शिविर में महिलाओं के प्रति होने वाले उत्पीडन (पोक्सो एक्ट), एडीआर तंत्र, वाणिज्यिक विवाद, मीडिएशन, लीगल एण्ड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के साथ ही स्थाई लोक अदालत, उत्तर प्रदेश बाल सेवा योजना, टीक. ाकरण के संबंध में जानकारी प्रदान की जाएगी।प्राधिकरण सचिव ने बताया कि निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 10 दिसंबर को तहसील इगलास एवं गभाना, 11 दि. संबर को तहसील कोल, अतरौली एवं खैर, 23 दिसंबर तहसील कोल, इगलास एवं खैर, 24 दिसंबर को तहसील गभाना एवं अतरौली में तहसील पदाधिकारियों, तहसील बार पदाधिकारियों एवं पराविधिक स्वयंसेवकों द्वारा विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, तहसील स्तर पर जारी शासकीय योजनाओं, तहसील स्तर पर संचालित योजनाओं एवं विधिक सेवा कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने समस्त नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वह इस विधिक जागरूकता शिविर में अधिकाधिक संख्या में प्रतिभाग कर अपने विधिक अधिकारों के प्रति जागरूक हों।

सब सुबह ही पहुंच जाते हैं फोन.मेरा होर्डिंग नहीं हटना चाहिए

शहर में रामघाट रोड पर दुबे का पड़ाव से लेकर क्वार्सी चौराहा तक, क्वार्सी चौराहे से पीएसी तक, अंदरूनी जीटी रोड पर सारसौल से पनैठी तक, गांधीपार्क बस स्टैंड, केलानगर–दोदपुर से कलक्ट्रेट तक, अनूपशहर रोड, मेडिकल कॉलेज रोड आदि जगहों पर अवैध होर्डिंग लगे हैं।अलीगढ़ शहर का कोई भी चौराहा देख लीजिए। किसी गली या मोहल्ले में चले जाइए। हर जगह अवैध होर्डिंग नजर आ जाएंगे। कहीं नव वर्ष, कहीं त्योहार की बधाई तो कहीं जन्मदिन वाले होर्डिंग। ऐसा भी नहीं है कि नगर निगम प्रशासन की निगाह इन पर नहीं जाती है। सबको पता है, लेकिन कार्रवाई नहीं होती। अफसर सब जानते हैं, लेकिन इनको हटाने से बचते हैं। दरअसल, होर्डिंग पर सियासी लोगों के फोटो हैं। भले ही इन होर्डिंग के कारण ट्रैफिक बाधित हो रहा हो, चौराहों की शक्ल बिगड़ रही हो लेकिन फिर भी इन्हें हटाया नहीं जाता है।शहर में ही ऐसे 50 हजार से ज्यादा अवैध होर्डिंग होंगे, जो मुख्य सड़कों, चौराहों की सुंदरता को बिगाड़ रहे हैं। इनसे नगर निगम को भी नुकसान हो रहा है, क्योंकि नगर निगम ने होर्डिंग लगाने के स्थल तय कर रखे हैं। जिससे नगर निगम को राजस्व प्राप्त होता है। मगर इसमें एक बड़ी संख्या उन होर्डिंग की होती है जो पूरी तरह से अवैध हैं।शहर में रामघाट रोड पर दुबे का पड़ाव से लेकर क्वार्सी चौराहा तक, क्वार्सी चौराहे से पीएसी तक, अंदरूनी जीटी रोड पर सारसौल से पनैठी तक, गांधीपार्क बस स्टैंड, केलानगर–दोदपुर से कलक्ट्रेट तक, अनूपशहर रोड, मेडिकल कॉलेज रोड, आगरा रोड, मथुरा रोड, घंटाघर, सेंटर प्वाइंट, समद रोड, मैरिस रोड, लक्ष्मीबाई मार्ग, विद्यानगर, स्वर्णजयंती नगर, मान सरोवर, ज्ञान सरोवर में अवैध होर्डिंग, क्रॉस बैनर, पा. ेस्टर, फ्लेक्स सिस्टम को चिढ़ा रहे हैं। आलम ये है कि बिजली के खंभे तक नहीं छोड़ जा रहे।नगर निगम द्वारा अवैध होर्डिंग हटाने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। टीमों का गठन कर दिया गया है। शुक्रवार को एटा चुंगी के पास लगे अवैध होर्डिंग हटाए गए हैं। यह अभियान लगातार चलेगा।–वीर सिंह, सहायक नगर आयुक्त हादसों का बन रहे कारणअलीगढ़ शहर से गुजरने वाले नेशनल हाईवे, स्टेट हाईवे, अंदरूनी जीटी रोड, रामघाट रोड पर कई जगह ऐसे होर्डिंग लगे हैं, जिनसे आगे की सड़क देखने में परेशानी होती है। कई बार वाहनों की तेज रोशनी का रिफ्ले. क्शन होने से देखने की समस्या होती है। कुछ छोटे होर्डिंग खंभों से सरक कर नीचे आ गए हैं, जो वाहन सवारों से टकराते हैं।हादसों का बन रहे कारण नगर निगम द्वारा शहर भर में केवल 135 स्थल तय किए गए हैं, केवल यहीं होर. ्डिंग लग सकते हैं। बाकी सब अवैध हैं। जबकि शहर में लगे अवैध होर्डिंग की संख्या 50 हजार से भी ज्यादा होने का अनुमान है। अब सोच सकते हैं कि नगर निगम को कितने राजस्व का नुकसान हो रहा है, लेकिन अधिकारी खामोश हैं सुबह ही पहुंच जाते हैं फोन...मेरा होर्डिंग नहीं हटना चाहिए इस समय शहर में सबसे ज्यादा अवैध होर्डिंग सत्ता से जुड़े लोगों के लगे हैं। जब भी इन्हें पता चलता है कि आज नगर निगम की टीम अवैध होर्डिंग हटाने के लिए निकल रही है तभी इधर–उधर फोन घुमाने लगते हैं। अफसरों तक से कह दिया जाता है कि कुछ दिन इन होर्डिंग को लगे रहने दीजिए। निगम के अधिकारी भी खामोश होकर बैठ जाते हैं।

रघुवीर बाल मंदिर स्कूल के 88वां वार्षिकोत्सव

रघुवीर बाल मंदिर स्कूल के 88वां वार्षिकोत्सव 10 दिसंबर को है। जिसमें अभिनेता रनवीर शौरी और वाइड एंगल टे. क्नोलॉजी के सीईओ राहुल कुलश्रेष्ठ आ रहे हैं।अभिनेता रनवीर शौरी 10 दिसंबर को अलीगढ़ आ रहे हैं। वह यहां पर रघुवीर बाल मंदिर स्कूल के वार्षिकोत्सव रत्नगर्भा में बतौर मुख्य अतिथि पधार रहे हैं। साथ ही वाइड एंगल टेक्नोलॉजी के सीईओ राहुल कुलश्रेष्ठ भी कार्यक्रम में शिरकत करेंगे।रघुवीर बाल मंदिर सीनियर सैकेंडरी स्कूल में पत्रकार वार्ता का आयोजन किया गया। स्कूल के सचिव पवन गुप्ता ने बताया कि स्कूल का 88वां वार्षिकोत्सव 10 दिसंबर को शाम 5 बजे से आयोजित किया जाएगा। जिसमें अभिनेता रनवीर शौरी मुख्य अतिथि बतौर पधार रहे हैं। साथ ही कार्यक्रम में वाइड एंगल टे. क्नोलॉजी के सीईओ राहुल कुलश्रेष्ठ भी अपना संबोधन रखेंगे। अभिनेता रनवीर शौरी के आने को लेकर तैयारियां जोरों से चल रही हैं, उनका भव्य स्वागत किया जाएगा। स्कूल प्रधानाचार्य नीतू गोयल ने बताया कि वार्षिकोत्सव रत्नगर्भा में छात्र–छात्राएं प्रतिभा और रचनात्मक से ओतप्रोत रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। विद्यार्थियों द्वारा इस दौरान कला, विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की प्रदर्शनी लगाई जाएंगी। प्रदर्शनी में बच्चों द्वारा बनाए गए चार्ट और मॉडल आदि को प्रदर्शित किया जाएगा। बच्चे रंगा. रंग कार्यक्रम और प्रदर्शनी की तैयारियों में लगे हुए हैं।

प्रयाग महाकुंभ की तैयारियों को लेकर अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया

हाथरस प्रयाग में 13 जनवरी से 26 फरवरी यानी 45 दिन तक लगने वाले महाकुंभ में अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद की सहभागिता को लेकर अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रवीण तोगड़िया हाथरस के आगरा रोड स्थित मदन गोपाल के आवास श्याम कुंज पहुंचे। उन्होंने बताया कि महाकुंभ में आने–जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए अंतराष्ट्रीय हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल और राष्ट्रीय महिला परिषद ओजस्वी बस अड्डे और स्टेशनों पर कैंप लगाएगी। वहां पर तीर्थ यात्रियों के रूकने के लिए मार्गदर्शन करेंगे। महाकुंभ में लंगर की भांति भंडारा चलेगा, जहां खाना और चाय उपलब्ध कराएंगे। सर्दियों को देखते हुए 40 हजार गद्दे और1000 कंबल खरीद रहे हैं। कुंभ में व्यवस्थाओं के लिए 5000 वॉलिंटियर लगेंगे।

बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस खान का फुका पुतला

अखिल भारतीय करणी सेना हरिगढ़ के पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष ठा0 ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान के नेतृत्व में बा. ंग्लादेश में रह रहे अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार एवं नरसंहार के विरोध में मौन जुलूस निकालकर बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस खान का पुतला फूंका। प्रदेश अध्यक्ष ठा0 ज्ञानेन्द्र सिंह चौहान ने बताया कि बांग्लादेश में जिस तरह से हिंदू भाई बहनों की नृशंस हत्याएं कर वहां रह रहे हिंदुओं का नरसंहार किया जा रहा है उससे भारत वर्ष के समस्त हिंदुओं में आक्रोश व्याप्त है इसके विरोध में समस्त भारत में जगह–जगह विरोध प्रदर्शन किया जा रहा है इसी क्रम में आज अखिल भारतीय करणी सेना हरिगढ़ के पदाधिकारियों ने मौन जुलूस निकालकर एवं बांग्लादेश में नरसंहार में मारे गए सभी हिंदू भाई बहनों को श्रद्धांजलि दी तथा बांग्लादेश के प्रधानमंत्री मोहम्मद यूनुस खान का पुतला फूंका। प्रदेश अध्यक्ष ठा0 ज्ञानेंद्र सिंह चौहान ने बताया कि जिस तरह बांग्लादेश में बहन बेटियों के साथ अभद्रता कर उनकी हत्या की जा रही है यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा प्रदेश अध्यक्ष ने बा. ंग्लादेश सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि शीघ्र ही बांग्लादेश में हिंदुओं का नरसंहार ना रुक तो भारतवर्ष का प्रत्येक हिंदू संगठित होकर यहां भारत में रह रहे रोहिंग्याओं को मारकर ईंट का जवाब पत्थर देंगे और खून के बदले खून की कहावत को चरितार्थ करेंगे जिसकी समस्त जिम्मेदारी बांग्लाद. ेश सरकार की होगी जब तक बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू भाई बहन सुरक्षित नहीं होंगे तब तक भारत में भी कोई बांग्लादेशी रोहिंग्या सुरक्षित नहीं रहेगा।प्रदेश अध्यक्ष महिला शक्ति ममता सिंह ने कहा कि बांग्लादेश में जिस तरह से बहन बेटियों का उत्पीड़न किया जा रहा है वह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा भारत की हिंदू बहन बेटियां भी दुर्गा के रूप में आकर भारत में रह रहे सभी बांग्लादेशी रोहिंग्याओं को मारकर भगाने का कार्य करेंगी। जिला प्रभारी आशीष चौहान ने बताया कि मौन जुलूस जुलूस एसएमबी इंटर कॉलेज रामघाट रोड से प्रारंभ होकर सेंटर पॉइंट स्थित अटल चौक पर समाप्त हुआ उसके पश्चात बांग्लादेश में नरसंहार में मृत सभी हिंदू भाई बहनों को पुष्प अर्पितकर श्रद्धांजलि दी गई।जिलाध्यक्ष युवा शक्ति सचिन राघव ने बताया कि जिस तरह से बांग्लादेश में हिंदू भाई बहनों का नरसंहार किया जा रहा है उससे भारत के युवाओं में बहुत ज्यादा आक्रोश व्याप्त है और सभी युवा पूर्ण रूप से तैयारी के साथ सड़क पर उतरकर भारत में रह रहे बांग्लादेशी रोहिंग्याओं को उपस्थित थे। आप अगर एक मारोगे तो हम चार मारने की ताकत रखते हैं और मार कर दिखाएंगे। प्रदर्शन करने वालों में प्रदेश उपाध्यक्ष विकास दीक्षित, जिला संगठन महामंत्री राजेंद्र मोहन शर्मा, प्रदेश उपाध्यक्ष युवा शक्ति और बांग्लादेश सरकार को दिखा देंगे कि भारत का हिंदू भी कमजोर नहीं है वीरू भदोरिया, महानगर अध्यक्ष भास्कर अग्रवाल, निगम पार्षद राकेश ठाकुर, महानगर अध्यक्ष युवा शक्ति आलेख सैनी, कुलदीप राघव, उमेश कुमार सिंह,भारती गौतम, पूजा सेंगर,सुगंधी वार्ष्णेय,पूनम सिंह,कामिनी मारेंगे तोमर,गौरी वार्ष्णेय,राधा रानी, ज्ञानेंद्र मिश्रा, प्रद्युम्न सेंगर, वीपी सिंह,बॉबी राघव,अभिषेक चौहान, संदीप राघव, विवेक यादव, प्रशांत सिसोदिया, अजय चौहान, गिरीश सिंह सहित बड़ी संख्या में करणी सैनिक

स्वेटर या जैकेट पहनते ही स्किन पर होने लगती है एलर्जी

कहीं आपको भी तो नहीं यह बीमारी?

सर्दियों में ठंड से बचने के लिए स्वेटर या ऊनी जैकेट पहने जाते हैं. आजकल नए–नए डिजाइन के वूलन कपड़े मार्केट में अवेलबल हैं. इनमें से कुछ को पहनने से स्किन पर रैशेज आ जाते हैं. अगर आपको भी इस तरह की समस्या है तो ये टेक्सटाइल डर्मिटाइटिस हो सकती है.इसका मतलब है कि कपड़ों में लगे फाइबर के प्रति आपकी त्वचा रिएक्ट कर रही है. ऐसा इन कपड़ों को बनाने में शामिल केमिकल्स,डाई और रेजिंग की वजह से भी हो सकता है. कुछ लोग इसे वुलेन एलर्जी के नाम से भी जानते हैं वूलेन कपड़ों से किन लोगों को खतराऐसे लोग जिनकी स्किन सेंसेटिव है, उन्हें ठंड के मौसम में ऊनी कपड़ों से सबसे ज्यादा परेशानी होती है. उन्हें बार–बार इचिंग होती है, लाल–लाल दाने या चकत्ते स्किन पर बन जाते हैं. ऐसा ऊनी कपड़ों का फाइबर स्किन से रगड़ खाने पर होता है. इसकी वजह से स्किन में इंफ्लैमेशन भी होने लगता है.टे. क्सटाइल डर्मिटाइटिस क्या होती है हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, हमारी स्किन में ऊपर एपीडर्मिस और डर्मल दो लेयर होते हैं. ऊपरी लेयर एपीडर्मिस होती है. एपीडर्मिस और हाइपोडर्मिस के बीच डर्मिस लेयर (क्मतउपे स्ंलमत) होती है. डर्मिस स्किन को प्रोटेक्ट करने का काम करती है. इसकी संचरना फाइबर जैसी होती है, जिसमें कोलाजन, इला. स्टिक टिश्यूज, हेयर फॉलिकल्स, ग्लैंड्स मौजूद होते हैं.कोलाजन एक तरह का प्रोटीन ही होता है, जिससे स्किन का स्ट्रक्चर बनता है. डर्मल लेयर में ही ब्लड कैपिलरीज मौजूद होती है, जिसे

प्रोटेक्ट करने के लिए एपीडर्मल लेयर होती है और जब डर्मल लेयर में सूजन आ जाती है, जो इसे डर्मिटाइटिस कहा जाता है. ऊनी कपड़े पहनने पर अगर रैशेज हो रहे हैं तो इसका साफ मतलब है कि डर्मिस लेयर क्षतिग्रस्त हुई है, जो कई अन्य समस्याओं को भी बढ़ा सकती है.

यूरिक एसिड-हाई कोलेस्ट्रॉल के लिए फायदेमंद है कच्चा लहसुन, जानें कब और कितना खाना चाहिए?

दाल–सब्जी में लहसुन का तड़का खाने के स्वाद को कई गुना बढ़ा देता है. लेकिन इस सब्जी का आयुर्वेद में भी अहम स्थान है, कच्चे लहसुन का सेवन करना भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है. इसमें एलिसिन नामक एंजाइम पाया जाता है, जिसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण होते हैं. इसमें विटामिन सी, ए और बी के साथ–साथ मैग्नीशियम, कैल्शियम, जिंक और सेलेनियम भरपूर मात्रा में होता है .आप यूरिक एसिड या बैड कोलेस्ट्रॉल के मरीज हैं, तो इन गंभीर समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए यह बहुत फायदेमंद है. आइए जानते हैं कि यूरिक एसिड और हाई कोलेस्ट्रॉल में लहसुन का सेवन किस तरह से उपयोगी है, साथ ही इसे कब और कितनी मात्रा में खाना चाहिए.कच्चा लहसुन खाने के फायदेखराब कोलेस्ट्रॉल के लिए फायदेमंदरू कच्चा लहसुन शरीर में एलडीएल यानी खराब कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और एचडीएल यानी अच्छे कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है. जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, लहसुन धमनियों से खराब कोलेस्ट्रॉल को छानकर पेशाब के रास्ते बाहर निकाल देता है. साथ ही, इसमें मौजूद सल्फर यौगिक रक्त संचार को बेहतर बनाते हैं और हृदय रोग के जोखिम को कम करते हैं.यूरिक एसिड को भी नियंत्रित करता हैरू रोजाना लहसुन खाने से यूरिक एसिड नियंत्रित रहता है. इसमें एंटी–इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं जो जोड़ों की सूजन को कम करते हैं और असहनीय जोड़ों के दर्द से राहत दिलाते हैं. इसमें मौजूद एलिसिन साल्ट यौगिक यूरिक एसिड को नियंत्रित करने में कारगर है.रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाएरू लहसुन में ऐसे पोषक तत्व होते हैं जो रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं. इसमें विटामिन सी और बी6, मैंगनीज और सेलेनियम भरपूर मात्रा में होते हैं, जो रोग प्रतिरोधक क्षमता को बेहतर बनाने में मदद करते हैं। इसके नियमित सेवन से सर्दी–जुकाम और फ्लू कम होता है. यूएस नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, जो लोग रोजाना लहसुन खाते हैं, उन्हें सर्दी–जुकाम या फ्लू होने की संभावना 63ः कम होती है.शरीर को गर्म रखता हैरू लहसुन की तासीर गर्म होती है. इसलिए सर्दियों में इसका सेवन सेहत के लिए फायदेमंद होता है. इसमें एलिसिन नामक यौगिक होता है, जो इसके स्वास्थ्य लाभों के लिए जिम्मेदार है .की गर्म तासीर से रक्त प्रवाह बढ़ता है.कब और कितना खाना चाहिए? सुबह कच्चे लहसुन का सेवन फायदेमंद होता है. आप रोजाना 2 लहसुन की कलियों का सेवन कर सकते हैं। रात को सोने से पहले 2 लहसुन की कलियों को पानी में भिगो दें. सुबह खाली पेट इसका सेवन करें। अगर आपको किसी तरह की एलर्जी है या आप कोई दवा ले रहे हैं, तो पहले डॉक्टर से बात करें और फिर इसका सेवन करें.

मां का बीपी-शुगर बढ़ना है खतरनाक, जानें प्रेग्नेंसी में बच्चे की सेहत पर क्या होगा असर

मां बनना हर महिला के लिए सबसे खास पल होता है. बच्चे को 9 महीने तक गर्भ में रखना कई तरह की चुनौतियों से भरा होता है. इस दौरान मां की सेहत को अच्छी तरह ख्याल रखा जाता है, ताकि बच्चे की हेल्थ सही बनी रहे और उसका ग्रोथ अच्छी तरह हो.हाल ही में आई एक स्टडी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है.इसमें बताया गया है कि खाना बनाने और गर्म करने के लिए अगर किसी घर में कोयला या लकड़ी जैसे ठोस ईंधन का इस्तेमाल हो रहा है तो जेस्टेशनल डायबिटीज Gestational Diabet का खतरा रहता है. प्रेगनेंसी में इसके कई साइड इफेक्ट्स देखने को मिल सकते हैं.मां में ये बीमारी रोक सकती है बच्चे की ग्रोथचीन की जुनी मेडिकल यूनिवर्सिटी में 4,338 महिलाओं पर एक रिसर्च किया गया. इन महिलाओं की औसत उम्र 27 साल थी. इनमें से 302 महिलाओं में जेस्टेशनल डायबिटीज पाया गया. इससे पता चला कि प्रदूषण की वजह से प्रेगनेंसी में खतरे बढ़ सकते हैं. हेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर किसी महिला को डायबिटीज है या वह धूम्रपान कर रही है या उसकी बीपी बढ़ी हुई है तो गर्भ में पल रहे बच्चे की ग्रोथ पर्भा. वित हो सकती है. एक्सपर्ट्स का कहना है कि गर्भ में बच्चे का विकास कई वज. हों से प्रभावित हो सकता है. इसमें पॉल्यूशन, मां का बढ़ा हुआ ब्लड शुगर, पोषक तत्वों की कमी, तनाव और शराब–सिगरेट जैसी समस्याएं हो सकती हैं.अनियंत्रित डायबिटीज बेहद खत. रनाकहेल्थ एक्सपर्ट्स के अनुसार, प्रेगनेंसी की पहली तिमाही के दौरान अगर महिला को अनकंट्रोल डायबिटीज है तो इसकी वजह से मिसकैरेज यानी गर्भपात, जन्म दोष, हार्ट डिजीज और कई तरह की गंभीर समस्याएं हो सकती हैं. इसके अलावा हाई बीपी प्लेसेंटा में ब्लड सर्कुलेशन पर असर डालता है और ब्लड वेसेल्स को सिकोड़ता है, जिससे भ्रूण में ब्लड फ्लो कम हो सकता है और कई गंभीर समस्याएं हो सकती हैं.

पुष्पा 2 ने तीसरे दिन तोड़े सलमान–आमिर समेत इन 5 बड़े स्टार्स के रिकॉर्ड!

अल्लू अर्जुन और रश्मिका मंदाना की फिल्म पुष्पा 2 ने आते ही बॉक्स ऑफिस पर तबाही मचानी शुरू कर दी. फिल्म ने पहले दिन 164.25 करोड़ की शानदार ओपनिंग लेकर इंडियन फिल्म इंडस्ट्री में अब तक बने सभी रिकॉर्ड्स तोड़ दिए.ये फिल्म न सिर्फ ओपनिंग डे पर सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी बल्कि दूसरे दिन भी बंपर कमाई की. फिल्म की कमाई से जुड़े तीसरे दिन के शुरुआती आंकड़े भी सामने आ चुके हैंपुष्पा 2श का तीसरे दिन का बॉक्स ऑफिस कलेक्शनसैक्निल्क के मुताबिक पुष्पा 2 ने पहले दिन 164.25 करोड़ और पेड प्रीव्यू से 10.65 करोड़ बटोरे थे. फिल्म ने दूसरे दिन 93.8 करोड़ की कमाई की. और अब तीसरे दिन रात 10रू35 बजे तक 115 करोड़ रुपये की कमाई के साथ टोटल 383.7 करोड़ रुपये का बिजनेस कर चुकी है. हालांकि, ये आंकड़े फाइनल नहीं हैं. अभी इनमें फेरबदल हो सकता हैसिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 को किया पीछेसिंघम अगेन और भूल भुलैया 3 दोनों ने सैक्निल्क के मुताबिक अभी तक 247.71 करोड़ और 259.7 करोड़ रुपये की कमाई की है. पुष्पा 2 इन दोनों को दो दिनों में ही पटकनी देकर आगे निकल चुकी है.देवरा का बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड भी हुआ चकनाचूरफिल्म ने आज जूनियर एनटीआर की फिल्म देवरा के ला. इफटाइम कलेक्शन को भी पार कर लिया है. बता दें कि देवरा ने 292.03 करोड़ रुपये की कमाई की है.आज टूट गए सलमान–आमिर की फिल्मों के रिकॉर्ड!सलमान खान की ब्लॉकबस्टर टाइगर जिंदा है (339.16 करोड़), आमिर खान की पीके (340.8 करोड़), थलापति विजय की लियो (341.04 करोड़ रुपये), संजू (342.57 करोड़) और जेलर (348.55 करोड़) का रिकॉर्ड भी पुष्पा 2 ने तोड़ दिया है.पुष्पा 2 का बजटजीक्यू इंडिया के मुताबिक, पुष्पा 2 का बजट करीब 500 करोड़ का है. फिल्म का कलेक्शन जिस तरह से बढ़ रहा है उसे देखकर ये कहना गलत नहीं होगा कि ये फिल्म वीकेंड जाते–जाते अपने बजट को निक. ालने के करीब पहुंच चुकी होगी.पुष्पा 2 के बारे में डायरेक्टर सुकुमार और एक्टर अल्लू अर्जुन की जोड़ी साल 2021 में आई पुष्पा के बाद इसके सेकेंड पार्ट के साथ एक बार फिर से लौटी है. फिल्म में रश्मिका मंदाना और फहाद फासिल भी हैं. फिल्म को देश भर में दर्शकों का प्यार मिल रहा है. बहुत जल्द ही पुष्पा के तीसरे पार्ट पर भी काम शुरू हो जाएगा जिसका ऐलान पुष्पा 2 के आखिर में ही कर दिया गया है.

यूरिन रोककर रखना खतरनाक, झेलनी पड़ सकती हैं ये गंभीर परेशानियां

रू क्या आप भी देर तक पेशाब रोककर रखते हैं, किसी काम को पूरा करने के लिए वॉशरूम जाना टालते रहते हैं, अगर हां तो अपनी इस आदत को तुरंत सुधार लीजिए वरना पूरी सेहत को खतरा हो सकता है. इसकी वजह से कई घातक बीमारियां हो सकती हैं. दरअसल, शरीर के टॉक्सिन, खतरनाक बैक्टीरिया और एक्स्ट्रा सॉल्ट यूरिन के जरिए बाहर आते हैं. यूरिनरी ब्लैडर (न्तपदंतल ठसंककमत) भरने पर दिमाग को यूरिन रिलीज करने का मैसेज मिलता है लेकिन अगर इसे रोक दिया जाए तो कई गंभीर बीमारियों का रिस्क रहता है. इसके कई साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं.यूरिन रोककर रखने के रिस्क1. यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन का खतरायूरिन रो. कने से शरीर में इंफेक्शन फैल सकता है. दरअसल, यूरिन लंबे समय तक ब्लैडर में रुकने पर बैक्टीरिया पैदा होने लगते हैं. इससे यूरिनरी ट्रैक्ट इंफेक्शन (न्ज्प्) हो सकता है. इस बीमारी में पेशाब करते समय जलन, पेट दर्द और बार–बार पेशाब की समस्या हो सकती है.2. यूरिन लीकेज या यूरिनरी रिटेंशनबार–बार यूरिन रोकने से पे. ल्विक फ्लोर कमजोर हो जाता है. इससे ब्लैडर कमजोर हो सकता है. जिससे यूरिन लीकेज हो सकती है. इतना ही नहीं पेशाब रोकनेसे यूरिनरी ब्लैडर पूरी तरह खाली नहीं हो पाता और दर्द, जलन जैसी समस्याएं हो सकती हैं.3. किडनी की गंभीर बीमारियांयूरिन में यूरिक एसिड और कैल्शियम ऑक्सलेट पाए जाते हैं. जब यूरिन देर तक रोककर रखते हैं तो किडनी स्टोन की समस्या हो सकती है. पेशाब रोकने से किडनी पर प्रेशर पड़ता है और किडनी या ब्लैडर में दर्द होने लगता है. इसकी वजह से पेशाब करने के बाद मांसपेशियां अकड़ जाती हैं और पेल्विक फ्रैंप की समस्या हो सकती है.

दिसंबर में डाइट से बाहर कर दें 5 फूड्स, बिगड़ सकती है सेहत

–दिसंबर में ठंडक की दस्तक के साथ ही बीमारियां भी बिन बुलाए ही आना शुरू हो जाती हैं। इन दिनों सुबह शाम सर्द हवाओं से टेंपरेचर नीचे गिरने लगता है और इसका प्रभाव हमारे हेल्थ पर भी पड़ता है।इसलिए ठंड के मौसम में गर्म कपड़ों के साथ–साथ खान–पान और लाइफस्टाइल पर भी खास ध्यान रखना जरूरी है। ठंड की शुरुआत में कुछ फूड्स को खाने से बचना चाहिए। क्योंकि ये महीने संक्रमण और ठंड से जुड़े होते हैं।परमीत कौर, हेड एंड चीफ, न्यूट्रीशनिस्ट और डाइटिशियन, मोि. रंगो एशिया अस्पताल, गुरुग्राम के अनुसार, खासतौर पर दिसंबर महीने में तापमान तेजी से गिरने के कारण हमारा इम्यून सिस्टम कमजोर हो सकता है और इसका असर डाइजेशन पर भी पड़ता है। ऐसे में अगर सही डाइट को फॉलो न किया जाए तो सर्दी, खांसी, फ्लू जैसी कई हेल्थ से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।भारतीय घरों में सबसे ज्याद प्याज का इस्तेमाल किया जाता है। इसके हेल्थ को भी कई फायदे प्राप्त होते हैं, लेकिन हल्की ठंड में इसको कम खाएं या बिल्कुल परहेज करना चाहिए। इसके कारण प्याज खाने से अपच, एसिडिटी और की दिक्कत बढ़ सकती है। यह काफी नुकसानदायक साबित होता जिसके चलते सर्दी–खांसी,गले में खराश जैसी समस्या पनप सकती है। इस मौसम में केवल ठंडा ही नहीं कच्चा खाना भी खाने से बचें। ये पेट से जुड़ी परेशानियों को बढ़ावा देने का काम करते हैं। ठंडे मौसम में गाजर, अदरक मेथी जैसे गर्म तासीर वाले फूड्स को आहार में शामिल है।सर्दी के दिनों में ठंडी तासीर वाली सब्जियों और फलों जैसे खीरा, तरबूज, पालक को कम खाने का प्यास करें। इनके अधिक सेवन से शरीर का टेंपरेचर लो होता है, करने से सीजनल बीमारिया दूर होती हैं।ठंड के दिनों में डेयरी प्रोडक्ट्स का सेवन करने से परहेज करना चाहिए क्योंकि यह सीने में घरघराहट और इन्फेक्शन का खतरा बढ़ा सकते हैं। सर्दी में ठंडे डेयरी प्रोडक्ट्स जैसे स्मूदी और शेक इत्यादि को लेने से बचे। जो लोग खांसी और कफ की समस्या से परेशान हैं उन्हें दही और छांछ के सेवन से भी बचना चाहिए। यही नहीं आइसक्रीम, कोल्ड ड्रिंक और फ्रिज में रखा हुआ ठंडा पानी भी ना पिएं। यह सभी छाती और गले को ठंडा कर सकते हैं, जिससे इंफेक्शन, गले में खराश की समस्या हो सकती है। वहीं इनसे इम्यून सिस्टम भी कमजोर होता है, जिसकी वजह से बीमारियां जल्दी हमें चपेट में ले सकती हैं।

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें –
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मौः-8218049162,8273402499

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद अलीगढ़ न्यायलय ही होगा